RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 09 NOVEMBER TO 15 NOVEMBER 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 09 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

बैंड-बाजा व बारात पर GST की नजर, साढ़े 5 लाख का बजट है तो 96 हजार लगेगा टैक्स Page 3

सरकारी खर्च में कटौती की तैयारी! क्या भारत की चौखट पर आ चुकी है मंदी Page 4

डॉलर इंडेक्स का क्या है मतलब, इस पर क्यों नजर रखती है सारी दुनिया? Page 5

editoria!

सवर्णों को आरक्षण

गरीब सवर्णों को आरक्षण देने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुहर लगा दी है और इसके साथ ही आरक्षण के समग्र आधिकारिक स्वरूप में फिर बदलाव की शुरुआत हो जाएगी। हालांकि, यह महत्वपूर्ण फैसला सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से किया है। तीन न्यायमूर्ति इस व्यवस्था के पक्ष में थे, जबकि प्रधान न्यायाधीश यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र ने इस आरक्षण के खिलाफ मत देते हुए इसे अवैध और भेदभावपूर्ण करार दिया है। पांच जजों की पीठ की ओर से बहुमत से आए इस फैसले के बाद सवर्ण गरीबों को दस प्रतिशत आरक्षण मिलना जारी रहेगा। अभी तक संशय बना हुआ था कि गरीब सवर्णों को आरक्षण मिलना चाहिए या नहीं, क्योंकि आरक्षण की व्यवस्था तो अनुसूचित जातियों-जनजातियों व अन्य पिछड़ी जातियों के लिए हुई थी। संसद ने 103वें संविधान संशोधन के जरिये 2019 में आर्थिक रूप से पिछड़ों (ईडब्ल्यूएस) को आरक्षण देने के लिए कानून बनाया था। सरकार के इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिस पर अब फैसला आया है और इसका व्यापक सामाजिक-राजनीतिक असर भी विभिन्न राज्यों में दिखेगा। जाहिर है, जब संसद ने कानून बना दिया है, तो उस कानून को चुनौती देना आसान नहीं है। फिर भी दो न्यायमूर्तियों की राय विपरीत रही है, यह वास्तव में संकेत है कि गरीब सवर्णों को आरक्षण देने का मामला आगामी दिनों में भी गरम रहेगा। क्या आरक्षण से असंतोष को दूर किया जा सकता है? क्या आरक्षण की बढ़ती मांग को खारिज किया जा सकता है? इसी फैसले में न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा है, यह विचार करने की जरूरत है कि आरक्षण कब तक जरूरी है? उन्होंने यह भी कहा कि गैर-बराबरी को दूर करने के लिए आरक्षण कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह सिर्फ एक शुरुआत है। मतलब आरक्षण का सवाल बहुत व्यापक है और हमें इसके लाभ-हानि पर विचार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। पिछड़ी जातियों, जनजातियों और गरीब सवर्णों के बीच भी जो वास्तविक वंचित हैं, उनको हम लाभ पहुंचा पाएं, तो इससे बेहतर कुछ नहीं। अपने देश में अभी भी वंचितों की बड़ी संख्या है, जिसे मदद की जरूरत है। सरकारों को अपने स्तर पर कोशिश करनी चाहिए कि किसी वर्ग को कागज पर आरक्षण देने से ज्यादा जरूरी है, उस वर्ग के जरूरतमंदों तक आरक्षण को पहुंचाना, लेकिन क्या ऐसा हो रहा है? सर्वोच्च न्यायालय के इस अहम फैसले पर राजनीति भी तेज हो गई है। अधिकतर राजनीतिक पार्टियों ने इस फैसले का स्वागत किया है, तो वहीं दलित समुदाय के कुछ बुद्धिजीवियों के स्वर प्रतिकूल हैं। आखिर नाराजगी कहां है और क्यों है? दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय पहले आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाने से इनकार कर चुका है। ओबीसी वर्ग को जब ज्यादा आरक्षण देने की बात आती है, तब इंदिरा साहनी मामले में लगी 50 प्रतिशत की ऊपरी सीमा का हवाला दे दिया जाता है, लेकिन जब 10 प्रतिशत आरक्षण गरीब सवर्णों को मिलेगा, तब आरक्षण की सीमा वैसे ही 60 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इसका सीधा सा अर्थ है, 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा का अब कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं रह गया है। ऐसे में, आबादी के अनुपात में अन्य पिछड़ी जातियों या ओबीसी को ज्यादा आरक्षण देने के बारे में जरूर सोचना चाहिए। राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी पिछड़ी जाति या समाज में यह संदेश न जाए कि गरीब सवर्णों को तो आरक्षण मिलने लगा, पर हमें नहीं मिला।

भारत को कच्चा तेल देने के मामले में रूस बना सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता

अक्टूबर महीने की रिपोर्ट आई सामने

नई दिल्ली। एजेंसी

ऊर्जा कार्गो ट्रैकर वोर्टेक्स के आंकड़ों के अनुसार, रूस पारंपरिक विक्रेताओं सऊदी अरब और इराक को पीछे छोड़ते हुए अक्टूबर में भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। रूस, जो 31 मार्च, 2022 तक भारत द्वारा आयात किए गए सभी तेल का सिर्फ 0.2% प्रदानकर्ता था। अब रूस ने अक्टूबर में भारत को 935,556 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चे तेल की आपूर्ति की है, जो अब तक का सबसे अधिक है। यह अब भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का 22% है, जो इराक के 20.5% और सऊदी अरब के 16% से ज्यादा है।

रूसी तेल के लिए भारत की इच्छा तब से ज्यादा बढ़ गई जब उसने छूट पर व्यापार करना शुरू कर दिया क्योंकि पश्चिम ने यूक्रेन पर आक्रमण के लिए मास्को को दंडित करने के लिए उससे तेल न लेने का फैसला लिया था। ऐसे में देश को अपना तेल बेचना था तो उससे स्कीम के तहत भारत को तेल देना शुरू किया। यह भारत के लिए भी सरल बन गया। ऊर्जा खुफिया फर्म वोर्टेक्स के अनुसार, भारत ने दिसंबर 2021 में रूस से सिर्फ 36,255 बीपीडी कच्चे तेल का आयात किया, जबकि इराक से 1.05 मिलियन बीपीडी और सऊदी अरब से 952,625 बीपीडी का आयात किया गया था।

अगले दो महीनों में रूस से कोई आयात नहीं हुआ लेकिन फरवरी के अंत में यूक्रेन युद्ध छिड़ने के तुरंत बाद मार्च में फिर से शुरू हो गया। भारत ने मार्च में 68,600 बीपीडी रूसी तेल का आयात किया, जबकि अगले महीने यह बढ़कर 266,617 बीपीडी हो गया और जून में 942,694 बीपीडी पर पहुंच गया। लेकिन जून में, इराक 10.4 मिलियन बीपीडी तेल के साथ भारत का शीर्ष आपूर्तिकर्ता था। उस महीने रूस भारत का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

जहां मिलेगा सस्ता तेल, वहीं से लेंगे

अगले दो महीनों में आयात में मामूली गिरावट आई। वोर्टेक्स के अनुसार, अक्टूबर में बढ़कर 835,556 बीपीडी हो जाने से पहले वे सितंबर में 876,396 बीपीडी थे। इराक अक्टूबर में 888,079 बीपीडी आपूर्ति के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया, इसके बाद सऊदी अरब 746,947 बीपीडी पर रहा। वहीं, भारत सरकार रूस के साथ अपने व्यापार का जोरदार बचाव करती है। सरकार द्वारा साफ तौर पर कहा गया है कि उसे तेल वहीं से लाना होगा जहां से वह सस्ता हो।

रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में झुका अमेरिका, बोला- भारत को है हक

वॉशिंगटन। एजेंसी

भारत कूटनीति के मामले में झंडे फहरा रहा है। ताजा मामला रूस से कच्चा तेल लेने का है। भारत ने साफ कहा है कि वो अपने नागरिकों की भलाई के लिए जहां से मिलेगा, वहां से सस्ता कच्चा तेल लेगा। ये बात विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने विदेशी दौरों में भी कही थी। अब अमेरिका ने भी माना है कि भारत को जहां से चाहे कच्चा तेल लेने का हक है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि रूस पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन ऊर्जा स्रोतों को उससे दूर रखा गया है। हालांकि, प्रवक्ता ने ये भी कहा कि रूस भरोसेमंद देश नहीं है। सुनिए, अमेरिकी प्रवक्ता ने क्या कहा। अमेरिकी प्रवक्ता ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि पीएम मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के यूक्रेन मामले में रखे गए विचार अलग-अलग नहीं हैं। प्रवक्ता ने सवाल के जवाब में कहा कि पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में जो कहा था, वैसा ही रुख विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉस्को जाकर दिया है। कुल मिलाकर भारत ने कहा है कि युद्ध आज के जमाने में किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत से ही मसलों का हल निकल सकता है।

बता दें कि रूस की जंग में अमेरिका लगातार यूक्रेन की मदद कर रहा है। यूरोप के देश भी यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। भारत ने लगातार वैश्विक मंचों पर कहा है कि यूक्रेन की समस्या का समाधान बातचीत से होगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने ताशकंद में एससीओ की बैठक के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से अलग बैठक की थी। तब मोदी ने पुतिन से कहा था कि वो यूक्रेन समस्या का समाधान बातचीत से निकालें। मोदी ने युद्ध की मुखालिफत की थी।

News यू केन USE

गैस कारोबार में गिरावट से पेट्रोनेट का सितंबर तिमाही का शुद्ध लाभ चार प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ चार प्रतिशत गिरकर 785.73 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को यह सूचना दी और कहा कि वैश्विक प्राकृतिक गैस कीमतों में तेजी से कारोबार में गिरावट आई जिससे उसका लाभ प्रभावित हुआ। कंपनी को एक साल पहले जुलाई-सितंबर तिमाही में 817.61 करोड़ रुपये एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। पेट्रोनेट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय कुमार सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक ऊर्जा दरों में तेजी आई थी, लेकिन पिछले 10-15 दिन से दरों में नरमी शुरू हो गई है। सिंह ने कहा कि कंपनी ने चालू तिमाही में अबतक का सबसे अधिक 15,986 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि पिछले साल यह 10,813 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने सात रुपये प्रति शेयर के विशेष अंतरिम लाभांश को मंजूरी दी है।

सौर ऊर्जा की मदद से भारत ने जनवरी से जून तक ईंधन लागत में चार अरब डॉलर की बचत की: रिपोर्ट

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत ने 2022 की पहली छमाही में सौर उत्पादन के जरिये ईंधन लागत में 4.2 अरब डॉलर और 1.94 करोड़ टन कोयले की बचत की। बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। इतने कोयले की बचत नहीं होने की स्थिति में पहले से दबाव में चल रही घरेलू आपूर्ति पर भार और बढ़ जाता। ऊर्जा क्षेत्र के थिंक टैंक एम्बर, सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर और इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की रिपोर्ट में पिछले दशक में सौर ऊर्जा के विकास का विश्लेषण किया गया और पाया कि सौर क्षमता वाली शीर्ष दस अर्थव्यवस्थाओं में से पांच भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम एशिया में स्थित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सात प्रमुख एशियाई देशों - भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, फिलीपीन और थाईलैंड में सौर उत्पादन के बूते जनवरी से जून 2022 तक लगभग 34 अरब डॉलर की संभावित जीवाश्म ईंधन लागत बची है। यह इस अवधि के दौरान कुल जीवाश्म ईंधन लागत के नौ प्रतिशत के बराबर है। रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत में, सौर उत्पादन से वर्ष की पहली छमाही में ईंधन लागत में 4.2 अरब डॉलर की तथा 1.94 करोड़ टन कोयले की बचत हुई।''

युद्ध के बीच भारत ने कर दिया 'खेला'

रूस से सस्ते में तेल खरीद अमेरिका को बेच रहा महंगा

नयी दिल्ली। एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले नौ महीने से चल रहे युद्ध का असर दुनियाभर पर पड़ा है। अमेरिका जैसे पश्चिमी देश रूस के खिलाफ हैं और कई प्रतिबंध लगा चुके हैं। हालांकि, इन प्रतिबंधों की वजह से पश्चिमी देशों को भी नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसी बीच, भारत ने बड़ा खेल कर दिया है। दरअसल, भारत अमेरिका को वैक्यूम गैसऑयल (न्ठध)का एक्सपोर्ट कर रहा है। यह वीजीओ भारत ने रूस से सस्ती दरों पर खरीदा है और अमेरिका को महंगी दरों पर बेच रहा, जिससे मुनाफा भी हो रहा है। कहा जा रहा है कि युद्ध के दौरान पश्चिमी देश रूस की आपूर्ति को बदलने के लिए विकल्प चाहते हैं। अमेरिका और कनाडा ने यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण पर रूसी तेल आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। रूसी कच्चे और तेल उत्पादों के आयात पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंध क्रमशः 5 दिसंबर और 5 फरवरी को प्रभावी होंगे।

रूस से खरीद कर अमेरिका को बेच रहा भारत

इस बीच, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत रूस से कच्चा तेल पहले के मुकाबले अधिक खरीद रहा है और ज्यादा मार्जिन लेकर पश्चिमी देशों को एक्सपोर्ट कर रहा है। लेटेस्ट जानकारी के अनुसार, वैश्विक तेल व्यापारियों- विटोल और ट्रैफिगुरा ने भारतीय रिफाइनर नायरा एनर्जी से वीजीओ का एक-एक कार्गो खरीदा है, जो 10 डॉलर से 15 डॉलर प्रति बैरल के बीच है। सूत्रों ने कहा कि इन दरों पर दिसंबर में भारत के वाडिनार बंदरगाह से लोड होने वाले कार्गो के अमेरिका या यूरोप जाने की संभावना है। इससे पहले, अफ्रामैक्स टैंकर शंघाई डॉन ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के जामनगर बंदरगाह से कम-से-कम 80,000 टन वीजीओ लोड किया, जो अक्टूबर के अंत से नवंबर की शुरुआत तक में अमेरिका पहुंचा।

पिछले साल की तुलना में वीजीओ का एक्सपोर्ट बढ़ा

अमेरिका में भारत का वीजीओ एक्सपोर्ट पिछले वर्ष की तुलना में इस साल 2022 में बढ़ गया है। मई 2021 में भारत से यू.एस. के लिए केवल एक कार्गो लोड किया गया। वीजीओ का उपयोग ज्यादातर गैसोलीन और डीजल जैसे अन्य उत्पादों के उत्पादन के लिए रिफाइनरी फीडस्टॉक के रूप में किया जाता है। यूक्रेन युद्ध छिड़ने से पहले रूस अमेरिकी रिफाइनरों के लिए एक प्रमुख वीजीओ सप्लायर हुआ करता था। वोर्टेक्स के वरिष्ठ ईंधन तेल विश्लेषक रोसलान खसावनेह ने कहा, ''यह देखते हुए कि अमेरिका रूसी तेल नहीं खरीद रहा है, वे किसी भी और सभी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।'' बता दें कि अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के प्रतिबंध किसी तीसरे देश से निर्यात किए गए रूसी कच्चे तेल से उत्पादित प्रोडक्ट्स पर लागू नहीं होते हैं क्योंकि वे मूल रूप से रूस के नहीं हैं। वहीं, भारत में, रिफाइनर ने अप्रैल और अक्टूबर के बीच रियायती रूसी तेल के आयात को बढ़ाकर 793,000 बैरल प्रति दिन कर दिया गया है, जो एक साल पहले की समान अवधि में सिर्फ 38,000 बीपीडी था। खरीद में रिलायंस का हिस्सा करीब 23 फीसदी और नायरा की हिस्सेदारी करीब 3इ है।

चाय बोर्ड ने अगले पांच साल के लिए 1,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी

कोलकाता। एजेंसी

चाय बोर्ड ने वर्ष 2022-23 से शुरू होने वाले अगले पांच साल में चाय उद्योग के लिए 1,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी है। चाय बोर्ड के अध्यक्ष सौरव पहाड़ी ने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय को सौंपे गए बजट में छोटे चाय उत्पादकों (एसटीजी) को मदद देने की ओर ध्यान दिया गया है, जो देश के कुल उत्पादन में 52 प्रतिशत का योगदान करते हैं। पहाड़ी ने बृहस्पतिवार को यहां भारतीय चाय संघ (आईटीए) की वार्षिक आम बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमने वर्ष 2022-23 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए मंत्रालय को सौंपे गए बजट में 1,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी है।'' उन्होंने कहा कि बजट मुख्य रूप से छोटे चाय उत्पादकों (एसटीजी) की मदद देने के लिए है, जो देश के चाय उत्पादन में 52 प्रतिशत का योगदान करते हैं। पहाड़ी ने कहा कि चाय बोर्ड ने पारंपरिक चाय उत्पादन के लिए भी सब्सिडी मांगी थी, जिसका निर्यात बाजार अच्छा है।

स्वदेशी जागरण मंच ने ग्लाइकोफास्फेट पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध स्वदेशी जागरण मंच ने खर-पतवार नाशक ग्लाइकोफास्फेट के उपयोग को प्रतिबंधित करने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि नागरिकों खासतौर पर किसानों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह जरूरी था। ज्ञात हो कि स्वदेशी जागरण मंच ग्लाइकोफास्फेट पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहा है क्योंकि यह स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक है। स्वदेशी जागरण मंच के सह संयोजक अश्विनी महाजन ने कहा कि खर-पतवार नाशक ग्लाइकोफास्फेट के उपयोगकर्ताओं को नुकसान के संबंध में मोन्सांटो और बेयर के खिलाफ 1.4 लाख से अधिक मामले लंबित हैं जो वादियों के विभिन्न प्रकार के कैंसर जैसे रोगों से प्रभावित होने से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, '' ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने दृढ़ता से ग्लाइकोफास्फेट एवं इसके यौगिकों के उपयोग पर रोक लगाने का निर्णय किया है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को लोगों के हित में निर्णय लेने के लिये धन्यवाद देता हूं। '' गौरतलब है कि सरकार ने पिछले महीने ग्लाइकोफास्फेट एवं इसके यौगिकों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था।

एयर इंडिया ने चीन डेवलपमेंट बैंक एविएशन से छह ए320 नियो विमान किराये पर लिए

सिंगापुर। एजेंसी

टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया ने चीन डेवलपमेंट बैंक फाइनेंशियल लीजिंग कंपनी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी आयरलैंड की सीडीबी एविएशन से छह एयरबस ए320 नियो विमानों का एक बेड़ा पट्टे (लीज) पर लिया है। बुधवार को सीडीबी एशिया ने एक बयान में बताया कि विमानों को पट्टे पर लेने के समझौते पर हस्ताक्षर 'एयरलाइन इकोनॉमिक्स ग्रोथ फ्रंटियर्स एशिया पेसिफिक-2022' सम्मेलन से इतर किए गए। टाटा समूह ने एयरलाइन की खरीद के बाद इसकी बहुस्तरीय परिवर्तन योजना की घोषणा की थी। इसके तहत सीडीबी एविएशन वह पहली कंपनी है जो एयर इंडिया को अतिरिक्त ए 320 नियो विमानों को पट्टे पर देगी। एयर इंडिया को ये विमान 2023 की दूसरी छमाही में मिलेंगे। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने समझौते के बारे में कहा, ''यह एक महत्वपूर्ण समझौता है, जो हमें अत्याधुनिक विमानों के साथ अपने बेड़े को मजबूत करने में मदद करेगा।'' बयान में कहा गया, ''यह हमारी परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे हमारी कनेक्टिविटी बढ़ेगी।''

बैंड-बाजा व बारात पर GST की नजर, साढ़े 5 लाख का बजट है तो 96 हजार लगेगा टैक्स

रायपुर। एजेंसी

महंगी शादी पर टैक्स चोरी किए जाने की आशंका को देखते हुए जीएसटी (उएऊ) का अमला भी सक्रिय रहेगा। क्योंकि कोरोनाकाल के बाद इस वर्ष थोक में शादियां होंगी और लोग दिल खोलकर खर्च भी करेंगे। हालांकि उन लोगों को इसका लाभ मिलेगा जो वेडिंग पैकेज के तहत शादी करेंगे। इसके लिए उन्हें अलग से अलग-अलग टैक्स नहीं देना पड़ेगा। बल्कि पैकेज के तहत एक बार में टैक्स देना होगा।

वैवाहिक सीजन के शुरू होते ही बैंड-बाजा और बारात पर जीएसटी विभाग पैनी नजर रखे हुए है। शादियों में होने वाले बेहिसाब खर्च पर टैक्स देना ही पड़ेगा। वहीं इसकी चोरी करने पर विभाग सीधी कार्रवाई करते हुए संबंधित वैवाहिक भवन से लेकर डेकोरोशन और बैंड बाजा वालों पर कार्रवाई करेगा। महंगी शादी पर टैक्स चोरी किए जाने की आशंका को देखते हुए जीएसटी (GST) का अमला भी सक्रिय रहेगा। क्योंकि कोरोनाकाल के बाद इस वर्ष थोक में शादियां होंगी और लोग दिल खोलकर खर्च भी करेंगे। हालांकि उन लोगों को इसका लाभ मिलेगा जो वेडिंग पैकेज (Wedding Package) के तहत शादी करेंगे। इसके लिए उन्हें अलग से अलग-अलग टैक्स नहीं देना पड़ेगा। बल्कि पैकेज के तहत एक बार में टैक्स देना होगा।

बुकिंग शुरू

वैवाहिक सीजन को देखते हुए भवनों की बुकिंग पहले ही हो चुकी है। शादीवाले घरों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत 12 से लेकर 18% तक का टैक्स है। मैरिज गार्डन, टेंट से लेकर बैंड बाजा और अन्य सभी में 12 से 18इ का टैक्स (tax) देना पड़ेगा, जिससे लोगों का बजट बिगड़ेगा ही। हालांकि एक शादी में औसतन 5.5 लाख का खर्च आता है। इस पर लोगों को 96000 रुपए अतिरिक्त राशि चुकानी पड़ेगी। इसका सीधा असर शादी पर पड़ने के कारण बहुत सी सुविधाओं में कटौती करनी होगी। सबसे ज्यादा उस तबके पर पड़ेगा जो खुद ही होटल, टैंट, लाइट से लैकर बैंड बुक करते हैं।

टैक्स कलेक्शन के लिए विभागीय अमला जुड़ा हुआ है। इसकी चोरी करने वाले के खिलाफ नियमानुसार जुर्माना वसूल किया जाएगा।- अतुल गुप्ता, प्रधान आयुक्त, सेंट्रल जीएसटी

सामान की खरीदी करने पर जीएसटी द्वारा निर्धारित टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा। इसमें चोरी पकड़े जाने पर टैक्स चोरी की राशि के साथ ही उतनी ही रकम पेनाल्टी के रूप में देनी पड़ेगी।

-चेतन तारवानी, इनकम टैक्स बार एवं सीए ब्रांच के पूर्व अध्यक्ष और सीए

ईंट निर्माताओं की सरकार से जीएसटी को घटाकर एक प्रतिशत करने की मांग

नयी दिल्ली। एजेंसी

करीब चार महीने से हड़ताल पर चल रहे ईंट निर्माताओं ने सरकार से ईंट पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर छह प्रतिशत से घटाकर पहले के एक प्रतिशत के स्तर तक कम करने की मांग की है।

ऑल इंडिया ब्रिक एंड टाइल मैन्युफैक्चरर्स फेडरेशन (एआईबीटीएमएफ) के महासचिव ओमवीर सिंह भाटी ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पीटीआई-भाषा को बताया कि नयी जीएसटी दर एक अप्रैल, 2022 से प्रभावी है। इससे पहले कंपोजिशन स्कीम के तहत ईंट निर्माताओं पर एक प्रतिशत जीएसटी लगता था।

उन्होंने कहा, ''हम कठिन समय का सामना कर रहे हैं। पूरे देश में हमारे भट्टे इस समय बंद हैं क्योंकि मांग के अभाव और उच्च लागत के कारण हमारे लिए कारोबार करना मुश्किल हो रहा है। हम सरकार से जीएसटी को कम करने की मांग करते हैं।'' उन्होंने ईट बनाने वाली इकाइयों के बंद होने के कारणों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले तीन से चार महीनों से भट्ठा मालिक देशव्यापी हड़ताल पर हैं। डेढ़ करोड़ रुपये तक के कारोबार करने वाले व्यवसायों पर एक प्रतिशत जीएसटी था। एआईबीटीएमएफ के अधिकांश सदस्यों का कारोबार इसी सीमा में है। भाटी ने इस मुद्दे के बारे में कहा कि हालांकि, सरकार ने केवल ईंट उद्योग के लिए जीएसटी को बढ़ाकर छह प्रतिशत कर दिया है और यह दूसरी अन्य चीजों के लिए पहले की ही तरह है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दर में वृद्धि का निर्णय पिछले साल जीएसटी परिषद की बैठक में लिया गया था। उन्होंने कहा कि ईंटों के लिए कच्चे माल में से एक कोयले पर भी जीएसटी दर को पहले के पांच प्रतिशत की तुलना में बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया है। यह एक श्रम प्रधान उद्योग है और सरकार को जीएसटी बढ़ाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। भारत में लगभग 1.5 लाख से अधिक ईंट भट्टे हैं। भाटी ने कहा कि बंद के कारण करीब तीन करोड़ कर्मचारी काम से दूर हैं।

जीएसटी में सिर्फ एक दर चाहते हैं प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन देबरॉय

नयी दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन विवेक देबरॉय ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में सिर्फ एक दर का सुझाव दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि कराधान प्रणाली मुक्तता या छूट रहित होनी चाहिए। हालांकि, देबरॉय ने स्पष्ट किया है कि उनकी इस राय को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं माना जाए। देबरॉय ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि केंद्र और राज्यों का कर संग्रह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का मात्र 15 प्रतिशत है, जबकि सार्वजनिक ढांचे पर सरकार के खर्च की मांग कहीं ऊंची है। उन्होंने कहा, ''जीएसटी पर यह मेरी राय है। कर की सिर्फ एक दर होनी चाहिए। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि हमें ऐसा कभी मिलेगा।''

उन्होंने कहा कि यदि 'अभिजात्य प्रकृति' और अधिक उपभोग वाले उत्पादों पर अलग-अलग कर दरें हटा दी जाएं, तो इससे मुकदमेबाजी कम होगी। देबरॉय ने कहा, ''हमें यह समझने की जरूरत है कि उत्पाद कोई भी हो, जीएसटी दर एक होनी चाहिए। यदि हम प्रगतिशीलता दिखाना चाहते हैं तो यह प्रत्यक्ष करों के जरिये होनी चाहिए, जीएसटी या अप्रत्यक्ष करों के जरिये नहीं।'' उन्होंने कहा कि उनके इस विचार को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं समझा जाए।

देबरॉय ने कहा कि जीएसटी को लागू करने से पहले आर्थिक मामलों के विभाग ने 17 प्रतिशत के जीएसटी राजस्व निरपेक्ष दर (आरएनआर) का अनुमान दिया था, लेकिन आज औसत जीएसटी 11.5 प्रतिशत है। ईएसी-पीएम के चेयरमैन ने कहा, ''या तो हम कर देने के लिए तैयार रहें या सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं की कम आपूर्ति के लिए। सरकार द्वारा जो कर मुक्तता या रियायत दी जाती है वह जीडीपी के 5-5.5 प्रतिशत के बराबर है।''

उन्होंने कहा कि कर चोरी गैरकानूनी है, लेकिन मुक्तता या छूट के प्रावधान के जरिये कर से बचाव कानूनी रूप से सही है। देबरॉय ने सवाल किया कि क्या हमें इस तरह छूट की जरूरत है। जितना हम कर-मुक्तता देंगे यह उतना जटिल बनेगा। ''हमारा ऐसा सुगम कर ढांचा क्यों नहीं हो सकता, जिसमें किसी तरह का ऐसा प्रावधान नहीं हो।'' देबरॉय ने सुझाव दिया कि कॉरपोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर के बीच 'कृत्रिम अंतर' को समाप्त किया जाना चाहिए। इससे प्रशासनिक अनुपालन का बोझ कम होगा।

News यू केन USE

सरकार चीन के 'मेटल कटर व्हील' पर डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगाएगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने चीन से आयात किए जाने वाले 'मेटल कटर व्हील' पर डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगाने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा लेवी लगाने की सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर ने चीन से आयात किए जाने वाले इस उत्पाद की कथित डंपिंग की जांच की थी। महानिदेशालय ने सितंबर में शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। 'मेटल कटर व्हील' का इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्रों में लोहा और अन्य सामग्री को काटने के लिए किया जाता है। राजस्व विभाग ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा, ''केंद्र सरकार ने नामित प्राधिकरण (डीजीटीआर) के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के बाद, सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है।' डीजीटीआर की सिफारिशों पर राजस्व विभाग अंतिम निर्णय करता है।

सीमेंस ने रेल डिब्बों के उत्पादन के लिए औरंगाबाद में कारखाना लगाया

नयी दिल्ली। एजेंसी

सीमेंस लिमिटेड ने रेल डिब्बों के उत्पादन के लिए महाराष्ट्र के औरंगाबाद में विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा, ''सीमेंस ने भारत और दुनियाभर में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए औरंगाबाद में एक अत्याधुनिक कारखाना स्थापित किया है। यह कारखाना निर्यात ऑर्डर पर 200 से अधिक रेल बोगियों की आपूर्ति करेगा।'' बयान के अनुसार, रेल बोगियां सीमेंस के वैश्विक डिजाइन 'एसएफ 30 कॉम्बिनो प्लस' पर आधारित होंगी। यह इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ यात्री अनुभव और आसान रखरखाव प्रदान करती है।

राजमार्गों को अतिक्रमण से मुक्त करें राज्यः सड़क मंत्रालय

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने राज्यों को राष्ट्रीय राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने का निर्देश देते हुए कहा है कि यह यातायात प्रबंधन और परिचालन के लिए तथा भावी परियोजनाओं के लिहाज से भी गंभीर चिंता का विषय है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग नियंत्रण (भूमि और यातायात) अधिनियम, 2002 के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है, इसके बावजूद राष्ट्रीय राजमार्गों पर बहुत अधिक अवैध कब्जे हैं। इसमें मंत्रालय ने कहा, ''यह जानकारी मिली है कि ढाबेवालों, सब्जी विक्रेताओं आदि ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण कर रखे हैं।'' पत्र में आगे कहा गया, ''मंत्रालय का ऐसा मानना है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थायी एवं अस्थायी अवैध कब्जे यातायात प्रबंधन और परिचालन तथा भावी परियोजनाओं के लिए चिंता का गंभीर विषय है।''

सरकारी खर्च में कटौती की तैयारी! क्या भारत की चौखट पर आ चुकी है मंदी

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार मौजूदा वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को तय लक्ष्य के भीतर रखने के लिए सरकारी खर्च में तीन साल में पहली बार कटौती कर सकती है। यह कटौती चालू वित्त वर्ष के अंतिम तिमाही में की जा सकती है। खर्च में कटौती इस तरह से की जाएगी, जिससे जीडीपी ग्रोथ पर इसका असर कम से कम पड़े। सरकार पहले ही कह चुकी है कि चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के परिपेक्ष्य में 6.4 प्रतिशत रखने के लिए वह हरसंभव प्रयास करेगी। सरकार वित्तीय घाटे पर लगाम लगाने के उपाय कर रही है, जो फिलहाल 4 से 5 फीसदी के ऐतिहासिक स्तर से ऊपर है। गौरतलब है कि 2020-21 में कोरोना महामारी के पहले साल के दौरान वित्तीय घाटा 9.3 फीसदी तक बढ़ गया था।

सूत्रों के अनुसार इस बारे में महामंथन चल रहा है। किस-किस सेक्टर में सरकारी खर्च में कटौती की जाए, इस पर अभी फैसला नहीं लिया गया है। सरकारी आमदनी और खर्च के भीतर के अंतर को राजकोषीय घाटा कहा जाता है। एक अप्रैल से शुरू हुए 2022-23 के वित्तीय वर्ष में कुल सरकारी खर्च 39.45 लाख करोड़ के बजट से काफी कम 70 से 80 करोड़ रुपये तक हो सकता है। राजकोषीय घाटा तय लक्ष्य के भीतर रहें, इसके लिए कदम भी उठाए जाएंगे। सरकार चाहती है कि

चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय तय लक्ष्य में रहे ताकि अगले वित्त वर्ष में इस मोर्चे पर ज्यादा चुनौतियां न रहें। आईएमएफ ने साफ तौर पर कहा है कि अगले वित्त वर्ष में ग्लोबल मंदी आ सकती है। उससे हालात बिगड़ सकती है। यही कारण है कि सरकार चालू खाते के मोर्चे पर ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहती।

क्यों कर रही है सरकार ऐसा

वित्त मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमत से निपटने के लिए कदम उठा रही है। देश अपनी कच्चा तेल की जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात के जरिये पूरा करता है। डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में कमी से आयात महंगा हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कच्चे तेल समेत जिंसों के दाम उच्च स्तर पर हैं। इससे भारत और अन्य देशों में महंगाई बढ़ी है। इसके अलावा महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार और आरबीआई मिलकर प्रयासरत हैं।

इधर ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स का कहना है कि भारत चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। भारत का वित्तीय घाटा तय लक्ष्य से ज्यादा होगा। फिच के अनुसार भारत ने चालू वित्त वर्ष के लिए वित्तीय घाटा का लक्ष्य जीडीपी के परिपेक्ष्य में 6.4 फीसदी तथा साल 2025-25 तक इसे जीडीपी के परिपेक्ष्य में 4.5 फीसदी तक लाने का लक्ष्य तय किया हुआ है। फिच का कहना है कि भारत की इकॉनमी के जो हालात है, उसे देखते हुए भारत को सब्सिडी और अन्य मदों में ज्यादा खर्च करना होगा। ऐसे में उसका खर्च बढ़ता जाएगा। ऐसे में भारत को अपनी आमदनी भी बढ़ानी होगी। जिस तरह के वैश्विक इकॉनमी में अनिश्चितता की स्थिति है, उसे देखते हुए नहीं लगता कि भारत खर्च और आमदनी के बीच ज्यादा संतुलन बना सकने में कामयाब होगा।

रेलवे ने 82 प्रतिशत ब्रॉडगेज रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 में अक्टूबर तक 1,223 किलोमीटर मार्ग का विद्युतीकरण किया है। एक साल पहले इसी अवधि में 895 किलोमीटर रेल मार्ग के विद्युतीकरण के मुकाबले यह 36.64 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्रालय ने कहा कि 31 अक्टूबर तक की स्थिति के अनुसार, कुल 65,142 रेल मार्ग किलोमीटर बॉड गेज नेटवर्क के अंतर्गत हैं। इसमें से 53,470 किलोमीटर यानी 82.08 प्रतिशत रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है। मंत्री ने कहा, ''भारतीय रेलवे ने अपने पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण के लिये महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसके परिणामस्वरूप न केवल बेहतर तरीके से ईंधन ऊर्जा का उपयोग होगा, बल्कि दक्षता बढ़ने के साथ ईंधन खर्च में कमी आएगी और फलतः कीमती विदेशी मुद्रा की बचत होगी।'' इससे पहले, 2020-21 में सबसे अधिक 6,015 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था। मंत्रालय के अनुसार 31 अक्टूबर तक की स्थिति के अनुसार कुल 65,142 रेल मार्ग किलोमीटर बॉड गेज नेटवर्क (कोंकण रेलवे समेत) के अंतर्गत है। इसमें से 53,470 किलोमीटर यानी 82.08 प्रतिशत रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है।

मोटे अनाज का निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार विदेश में भारतीय दूतावासों से मदद लेगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने मोटे अनाज के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए एक रणनीति तैयार की है जिसमें विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ-साथ वैश्विक खुदरा सुपरमार्केट कैरफोर एवं वॉलमार्ट को साथ लेने की बात शामिल है। रणनीति के हिस्से के रूप में, विदेशों में भारतीय दूतावासों को घरेलू मोटे अनाजों की ब्रांडिंग और प्रचार के लिए, शामिल किया जाएगा। दूतावासों को संभावित खरीदारों की पहचान करने के लिए भी कहा जाएगा जैसे कि डिपार्टमेंटल स्टोर, सुपरमार्केट और हाइपरमार्केट। उन्हें बिजनेस-टू-बिजनेस (बी 2 बी) बैठकें आयोजित करने एवं भारतीय मोटे अनाज के लिए सीधी साझेदारी कायम करने के लिए कहा जायेगा। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि प्रचार रणनीति के तहत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खुदरा सुपरमार्केट जैसे लुलु समूह, कैरफोर, अल जजीरा, अल माया, वॉलमार्ट को भी मोटे अनाज की ब्रांडिंग और प्रचार के मकसद से 'मिलेट कॉर्नर' स्थापित करने के लिए साथ लिया जाएगा। यह पहल संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित करने की पृष्ठभूमि में आई है। इस प्रयास का उद्देश्य भारतीय मोटे अनाज के साथ-साथ इसके मूल्यवर्धित उत्पादों को दुनिया

भर में लोकप्रिय बनाना है। भारत के शीर्ष पांच बाजरा उत्पादक राज्य - राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश हैं। बाजरे के निर्यात का हिस्सा कुल मोटे अनाज उत्पादन का एक प्रतिशत है। भारत से मोटे अनाज के निर्यात में मुख्य रूप से साबुत अनाज शामिल है और भारत से मोटे अनाज के मूल्यवर्धित उत्पादों का निर्यात नगण्य है। हालांकि, यह अनुमान लगाया गया है कि मोटे अनाज का बाजार अपने नौ अरब डॉलर के मौजूदा आकार से बढ़कर 2025 तक 12 अरब डॉलर से अधिक का हो जाएगा। मोटा अनाज कैल्शियम, आयरन और फाइबर से भरपूर होता है। दुनिया में प्रमुख मोटे अनाज आयात करने वाले देश इंडोनेशिया, बेल्जियम, जापान, जर्मनी, मेक्सिको, इटली, अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील और नीदरलैंड हैं।

डॉलर इंडेक्स का क्या है मतलब, इस पर क्यों नजर रखती है सारी दुनिया?

रुपये में मजबूती की खबर हो या गिरावट की, ब्रिटिश पौंड अचानक कमजोर पड़ने लगे या रूस और चीन की करेंसी में उथल-पुथल मची हो, करेंसी मार्केट से जुड़ी तमाम खबरों में डॉलर इंडेक्स का जिक्र जरूर होता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार की हलचल से जुड़ी खबरों में तो रेफरेंस के लिए डॉलर इंडेक्स का नाम हमेशा ही होता है। ऐसे में मन में यह सवाल उठना लाज़मी है कि करेंसी मार्केट से जुड़ी खबरों में इस इंडेक्स को इतनी अहमियत क्यों दी जाती है? इस सवाल का जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि डॉलर इंडेक्स आखिर है क्या?

डॉलर इंडेक्स क्या है?

डॉलर इंडेक्स दुनिया की 6 प्रमुख करेंसी के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती या कमजोरी का संकेत देने वाला इंडेक्स है। इस इंडेक्स में उन देशों की मुद्राओं को शामिल किया गया है, जो अमेरिका के सबसे प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर हैं। इस इंडेक्स शामिल 6 मुद्राएं हैं – यूरो, जापानी येन, कनाडाई डॉलर, ब्रिटिश पाउंड, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक। इन सभी करेंसी को उनकी अहमियत के हिसाब से अलग-अलग वेटेज दिया गया है। डॉलर इंडेक्स जितना ऊपर जाता है, डॉलर को उतना मजबूत माना जाता है, जबकि इसमें गिरावट का मतलब ये है कि अमेरिकी करेंसी दूसरों के मुकाबले कमजोर पड़ रही है।

डॉलर इंडेक्स का इतिहास

डॉलर इंडेक्स की शुरुआत अमेरिका के सेंट्रल बैंक यूएस फेडरल रिजर्व ने 1973 में की थी और तब इसका बेस 100 था। तब से अब तक इस इंडेक्स में सिर्फ एक बार बदलाव हुआ है, जब जर्मन मार्क, फ्रेंच फ्रैंक, इटालियन लीरा, डच गिल्डर और बेल्जियन फ्रैंक को हटाकर इन सबकी की जगह यूरो को शामिल किया गया था। अपने इतने वर्षों के इतिहास में डॉलर इंडेक्स आमतौर पर ज्यादातर समय 90 से 110 के बीच रहा है, लेकिन 1984 में यह बढ़कर 165 तक चला गया था, जो डॉलर इंडेक्स का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं इसका सबसे निचला स्तर 70 है, जो 2007 में देखने को मिला था।

डॉलर इंडेक्स इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

डॉलर इंडेक्स में भले ही सिर्फ 6 करेंसी शामिल हों, लेकिन इस पर दुनिया के सभी देशों में नज़र रखी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय कारोबार में दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण करेंसी है। न सिर्फ दुनिया में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल ट्रेड डॉलर में होता है, बल्कि तमाम देशों की सरकारों के विदेशी मुद्रा भंडार में भी डॉलर सबसे प्रमुख करेंसी है। यूएस फेड के आंकड़ों के मुताबिक 1999 से 2019 के दौरान अमेरिकी महाद्वीप का 96 फीसदी ट्रेड डॉलर में हुआ, जबकि एशिया-पैसिफिक रीजन में यह शेयर 74 फीसदी और बाकी दुनिया में 79 फीसदी रहा. सिर्फ यूरोप ही ऐसा ज़ोन है, जहां सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय व्यापार यूरो में होता है। यूएस फेड की वेबसाइट के मुताबिक 2021 में दुनिया के तमाम देशों में घोषित विदेशी मुद्रा भंडार का 60 फीसदी हिस्सा अकेले अमेरिकी डॉलर का था। जाहिर है, इतनी महत्वपूर्ण करेंसी में होने वाला हर उतार-चढ़ाव दुनिया भर के सभी देशों पर असर डालता है और इसीलिए इसकी हर हलचल पर सारी दुनिया की नजर रहती है।

डॉलर इंडेक्स में किस करेंसी का कितना वेटेज?

डॉलर इंडेक्स पर हर करेंसी के एक्सचेंज रेट का असर अलग-अलग अनुपात में पड़ता है। इसमें सबसे ज्यादा वेटेज यूरो का है और सबसे कम स्विस फ्रैंक का।

यूरो : 57.6%
जापानी येन : 13.6%
कैनेडियन डॉलर : 9.1%
ब्रिटिश पाउंड : 11.9%
स्वीडिश क्रोना : 4.2%
स्विस फ्रैंक : 3.6%

हर करेंसी के अलग-अलग वेटेज का मतलब ये है कि इंडेक्स में जिस करेंसी का वज़न जितना अधिक होगा, उसमें बदलाव का इंडेक्स पर उतना ही ज्यादा असर पड़ेगा। जाहिर है कि यूरो में उतार-चढ़ाव आने पर डॉलर इंडेक्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है।

इस्मा ने चीनी निर्यात नीति की सराहना की, अतिरिक्त निर्यात को मंजूरी मिलने का भरोसा जताया

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने सोमवार को 31 मई तक 60 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। साथ ही वर्ष 2022-23 सत्र में 30 लाख टन अतिरिक्त चीनी निर्यात को मंजूरी दिये जाने का भरोसा जताया। चीनी उद्योग ने सरकार से 90 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति देने का अनुरोध किया था, लेकिन खाद्य मंत्रालय ने पांच नवंबर को चीनी सत्र 2022-23 (अक्टूबर-सितंबर) के 31 मई तक कोटा के आधार पर केवल 60 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। सरकार ने कहा है कि वह घरेलू उत्पादन का आकलन करने के बाद आगे की मात्रा पर विचार कर सकती है।

इस्मा ने एक बयान में कहा, ''चीनी उद्योग को भरोसा है कि सरकार 30 लाख टन अतिरिक्त चीनी निर्यात करने की अनुमति देगी।'' बयान में कहा गया है कि इससे घरेलू कीमतों में स्थिरता आयेगी, किसानों को समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा सकेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि चीनी मिलों पर कोई अतिरिक्त लागत बोझ न आये। इस्मा ने सरकार की चीनी निर्यात नीति की सराहना की और कहा कि व्यापार योग्य कोटा योजना चीनी निर्यात में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी। घरेलू खपत के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने और त्योहारों के दौरान खुदरा कीमतों में किसी भी वृद्धि को रोकने के लिए सरकार ने एक जून से चीनी सत्र 2021-22 (अक्टूबर-सितंबर) के अंत तक चीनी निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पूरे 2021-23 सत्र के दौरान लगभग 1.1 करोड़ टन चीनी का निर्यात किया गया और देश के लिए 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई।

क्या बाजार में नहीं मिल रहा है अमूल का मक्खन? जानिए क्या है सच्चाई

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सुबह के समय ज्यादातर लोग ब्रेड में मक्खन लगाकर खाना पसंद करते हैं। अमूल मक्खन लोगों को खाना खूब पसंद रहा है, लेकिन अभी लोगों को बाजार में अमूल का मक्खन मुश्किल से मिल पा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली, अहमदाबाद और पंजाब सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ग्राहकों और दुकानदारों के साथ अमूल बटर की बाजार में कमी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि जियो मार्ट जैसे कुछ ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अमूल का बटर मिल रहा है। लेकिन बाजार में ऐसी अफवाहें भी हैं कि अमूल का मक्खन नहीं मिल रहा है।

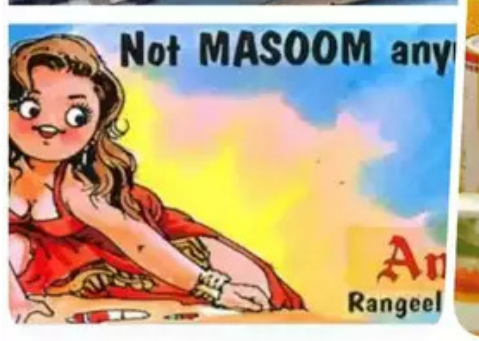

सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे वजह

अमूल मख्खन नहीं मिलने से परेशान लोग अब सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर मुंबई, दिल्ली, कश्मीर, अहमदाबाद, पंजाब और उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लोग लिख रहे हैं कि उन्हें अमूल का मख्खन नहीं मिल पा रहा है।

जानिए क्या कह रहे लोग

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में रहने वाली रेनू जोशी के मुताबिक, अमूल का मक्खन बाजार में कम मिल रहा है। अमूल के मक्खन के छोटे पैक बाजार में मिल रहे हैं। बड़े पैक मिलने में समस्या आ रही है। नोएडा में सेक्टर 62 निवासी आशीष का कहना है कि अमूल का मक्खन मिल रहा है, लेकिन कई दुकानों पर नहीं है। अमूल के मक्खन के बड़े पैक मिलने में समस्या आ रही है। वहीं कई लोगों का कहना है कि उनके एरिया में जब मक्खन नहीं मिला तो उन्होंने जैम खरीदा। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि अमूल के मक्खन के छोटे वाले पैकेट दुकानों पर उपलब्ध हैं लेकिन बड़े वाले नहीं मिल पा रहे हैं।

सिक्ख धर्म के प्रवर्तक गुरुनानक देव जी की 554 वां प्रकाशोत्सव पर विशेषः

सिक्ख धर्म के प्रवर्तक गुरुनानक देवजी ने घर-बार छोड़कर धर्मोपदेश दिया

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

■गुरुनानक देवजी ने जाति-प्रथा को खत्म करने का काम किया ■आडम्बरविहीन मानवतावादी धर्म की नींव रखी थी गुरुनानक देवजी ने ■गुरुनानक ने जीवन-भर ईश्वरीय ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया

भारतीय धर्म में जाति-पांति तथा कर्मकाण्डों का जब बोलबाला हो रहा था, तब ब्राह्मणवादी हिन्दू धर्म से कुछ ऐसी शाखाएं प्रस्फुटित हुईं, जिन्होंने जाति तथा आडम्बरविहीन मानवतावादी धर्म की नींव रखी, जिनमें सिख धर्म का विशेष स्थान है।

गुरुपर्व या गुरपुरब, जिसे गुरु नानक का प्रकाश उत्सव तथा गुरु नानक जयंती भी कहा जाता है, सिख धर्म के अनुयायियों का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सिखों के दस गुरुओं में से पहले और सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरुनानक देवजी की जयंती मनाने हेतु दुनिया भर में सिखों और पंजाबियों द्वारा यह दिन मनाया जाता है। गुरुपर्व चंद्र कैलेंडर के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के शुभ दिन यानी दिवाली के 15 दिन बाद मनाया जाता है। इस त्योहार को 48 घंटे तक गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ करके बड़े उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जाता है। गुरुपर्व से एक दिन पहले भक्तों द्वारा 'नगर कीर्तन' नामक जुलूस का भी आयोजन किया जाता है। गुरुपर्व उत्सव में कथा, कीर्तन, व्याख्यान, लंगर एवं कड़ा प्रसाद शामिल होते हैं। धार्मिक कार्यों और सामुदायिक भोजन के अलावा, घर की सजावट गुरपुरब का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

गुरुनानक देव जी का जन्म एवं पारिवारिक जीवन

गुरुनानक देवजी का जन्म सन् 1469 को कार्तिक पूर्णिमा को लाहौर जिले के तलवंडी नामक ग्राम में हुआ था। वर्तमान में ननकाना साहब के नाम से प्रसिद्ध इस धार्मिक तीर्थस्थल पर लाखों श्रद्धालु पाकिस्तान जाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। उनके पिता कालूचन्द थे और माता तृप्ता देवी थीं। उनके पिता उन्हें पढ़ाना चाहते थे, पर उनका मन आध्यात्म की ओर रमा रहता था। एक बार किसी पण्डित ने उनसे ॐ का अर्थ पूछा था। नानक ने उसकी जब विशद् व्याख्या की, तो पण्डितजी अवाक रह गये। नानक के पिता पैसे देकर उन्हें बाजार भेजते थे, तो वे सामान लाने की बजाय पैसों को पीर-फकीरों में बांट आते थे। सांसारिक विरक्ति देखकर उनका विवाह सुलक्षणी से करा दिया गया, जिससे उनके दो पुत्र- श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द हुए। सांसारिक जीवन उन्हें रास नहीं आया।

गुरुनानक देवजी का चमत्कारिक जीवन

गुरुनानक के जीवन में कई घटनायें घटीं लेकिन एक घटना ने उन्हें काफी विचलित किया। घटना के अनुसार नदी में स्नान करने के बाद जब आप एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रहे थे तभी भविष्यवाणी हुई कि प्यारे नानक तुम अपना काम कब करोगे। इस संसार में तुम जिस काम के लिए आए हुए हो, उसके लिए मोह ममता छोड़ दो। भूले-भटकों को मार्ग पर लाओ। इस घटना के बाद से वे फिर कभी घर नहीं लौटे। उन दिनों दिल्ली साम्राज्य के पतन का दौर चल रहा था। देश में अत्याचार और अनाचार हो रहे थे। हिन्दुओं में जहाँ योगी, साधु, संन्यासी मूर्ख बना रहे थे वहीं मुसलमानों पर मुल्ला, उलमा और ओलिया रौब जमा रहे थे। धर्म का वास्तविक रूप कोई नहीं समझा रहा था। हिन्दुओं की दशा देख गुरुनानक घर-बार छोड़कर धर्मोपदेश के लिए निकल पड़े। उन्होंने इस दौरान भारत का ही भ्रमण नहीं किया बल्कि मक्का-मदीना तक गये। वहां मुसलमान उनसे खासे प्रभावित हुए। गुरुनानक का कहना था सच्चे मन से भगवान का भजन करो, संयमित जीवन बिताओ, मेहनत से कमाई करो और मधुर व परहितकारी वचन बोलो। गुरुनानक का कहना था कि शरीरधारी का नाम नहीं जपना चाहिए।

गुरुनानक ने लोगों को धर्म का सही मार्ग दिखाने के लिए अनेक चमत्कार दिखाये। एक बार की घटना है। गुरुनानक जी धार्मिक तीर्थयात्रा पर हरिद्वार पहुंचे थे। वहां पण्डों द्वारा उन्होंने गंगाजी में खड़े होकर जल तर्पण करते देखा। पूछने पर पण्डों ने बताया कि वे पितरों को जल अर्पण कर उनका श्राद्ध कर रहे हैं। यह जल उन तक पहुंचेगा, ऐसा पण्डों ने बताया। यह सुनकर गुरुनानक जोर-जोर से जल उछालने लगे। लोगों ने उनसे इसका कारण पूछा, तो उन्होंने बताया- 'वे अपने पूर्व दिशा में स्थित खेतों को पश्चिम दिशा से जल देकर सिंचाई कर रहे हैं।' लोग हंसने लगे, तो उन्होंने कहा 'अगर तर्पण का जल पितरों तक पहुंच जाता है, तो मेरा यह जल दो-तीन सौ कोस के फासले पर स्थित खेतों में कैसे नहीं पहुंचेगा?' यह सुनकर वहां उपस्थित सभी लोग निरूत्तर हो गये।

ऐसी दूसरी घटना यह है-एक बार गुरुनानक मक्का की यात्रा पर थे। वे काबे की तरफ पैर करके सो गये। एक मुल्ला ने उन्हें देखा, तो लगे डांटने कि पैगम्बर की तरफ पैर करने से उनका अपमान हो रहा है। गुरुनानक ने कहा- 'तो मेरे पैर उस दिशा की तरफ मोड़ दो, जिस तरफ पैगम्बर नहीं हैं।' मुल्ला ने जिस तरफ उनके पैर मोड़े, उस तरफ उसे काबा दिखने लगा। हारकर वह नानक से क्षमा मांगकर उनके प्रति श्रद्धा अर्पित की। गुरुनानक ने उसे बताया कि ईश्वर तो सर्वव्यापी है। उन्होंने मूर्तिपूजा का विरोध करते हुए सतगुरु प्रसाद के जप को स्वीकार किया।

ऐसी तीसरी घटना का प्रसंग यह है- गुरुनानक देव जी किसी गांव में गरीब की झोंपड़ी में जा टिके थे। गांव के जमींदार ने उन्हें अपने घर भोज हेतु बुलवाया था। गुरुनानक देव जी जानते थे कि जमींदार किसानों और गरीबों का शोषक है। जब जमींदार ने गुरुनानक पर पक्षपात का आरोप लगाया, तो उन्होंने एक रोटी गरीब के घर की मंगवायी और दूसरी जमींदार के घर की। इन दोनों रोटियों को उन्होंने निचोड़ा, तो पाया गया कि गरीब के घर की रोटी से पसीना और दूध निकल रहा था, जबकि जमींदार के घर की रोटी से खून टपक रहा था। जमींदार को अपनी भूल का एहसास हुआ।

बाबर के सैनिक गरीबों पर बहुत जुल्म ढाते थे। लूट का माल स्वयं ही खा जाया करते थे। इस सत्यता से बाबर को अवगत कराने के लिए गुरुनानक देवजी ने एक गरीब, फटेहाल किसान का रूप धारण किया। सैनिक उन्हें गरीब समझ पकड़ ले गये। बादशाह के सामने खड़े रहकर उनका मुंह तो एक प्रकाशमण्डल से दमक रहा था। बादशाह बाबर भीतर ही भीतर कांप उठा। राजगद्दी से उतरकर उनके चरणों पर गिर पड़ा। न जाने उन्हें कोई श्राप मिल जाये। उसने गुरुनानक देवजी के लिए शराब मंगवायी। गुरुनानक देव जी ने उसे इस नशे से दूर रहकर गरीबों की सेवा, खिदमत में अपना जीवन सार्थक करने को कहा। बाबर ने तत्काल कैदियों को जेल से रिहा कर दिया और दान-पुण्य का संकल्प लिया। इस तरह उन्होंने एक चोर को चोरी की आदत से मुक्ति दिलायी। किसी को उजड़ने का, तो किसी को आबाद रहने का आशीर्वाद दिया, जिसका अर्थ है उजड़कर सज्जनता फैलायेंगे और आबाद रहने वाले अशांति के साथ आबाद रहेंगे।

हसन नामक एक मुस्लिम संत ने अपने पास से बहने वाले झरने का पानी लेने से गुरुनानक देव जी के शिष्य को मना किया। शिष्य ने आकर सारी घटना गुरुनानकजी से कही। गुरुनानक देव ने कहा- 'तुम चिन्ता न करो, इसी पहाड़ से झरना बहेगा। इतना कहते ही मुस्लिम संत के पास का झरना मुस्लिम सन्त ने बड़ा-सा पत्थर उन्हें दे मारा, किन्तु नानक देव ने अपनी सूख गया और वह गुरुनानक जी के पैरों के पास से बहने लगा। क्रोधित होकर हथेली से उसे रोक दिया। आज भी वह स्थान पंजा साहिब के नाम से जाना जाता है।

गुरुनानक देव जी ने जीवन-भर ईश्वरीय ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया

गुरुनानक देव जी ने जीवन-भर ईश्वरीय ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया। धर्म का सही ज्ञान लोगों को कराया। हिन्दू-मुस्लिम समान रूप से उनके भक्त बन गये थे। समानतावादी समाज की स्थापना की। उन्होंने प्रेम और शांति का जो संदेश लोगों को दिया, वह आज भी प्रासंगिक है। स्त्रियों को भी धार्मिक उत्सव और हरिकीर्तन में भाग लेने का समान अधिकार दिया। उनके द्वारा लिखे गये गुरुग्रन्थसाहब का आज भी प्रत्येक गुरुद्वारे में पाठ किया जाता है। उनकी दूसरी पुस्तक 'जपुजी' तथा तीसरी पुस्तक 'सोहिला नाम' धर्म सन्देशों से भरी है। उन्होंने सर्वधर्मसमभाव हेतु 'लंगर सामूहिक भोज' प्रथा का प्रारम्भ किया था। और गुरुअगंद देवजी उनके उत्तराधिकारी बने।

गुरुनानक ने जाति-प्रथा को खत्म करने का काम किया

गुरुनानक देव जी ने जाति-प्रथा को खत्म करने का काम किया गुरुनानक के भक्त गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा है कि 'चार वरण इक वरन कराओं, तबेई गोबिंद सिंह नाम कहाऊँ' जिसका अर्थ है कि जब मैं चारों जातियों को एक कर दूं, तभी मैं गोविंद सिंह कहलाया जाऊं। ये तो जगजाहिर है कि जातिवाद, भेदभाव, छूआछूत को खत्म करने और बराबरी का दर्जा देने में सिखों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। वो सिख ही थे, जिन्होंने ब्राह्मणवादी रूढ़िवादिता का जमकर विरोध किया। जाहिर है कि पंजाब एक ऐसा राज्य है जहां जातिवाद प्रथा दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों के मुकाबले बेहद कम है। इसके अलावा सिखों के गुरु ने समाज सुधार में बड़ा योगदान दिया है। जातिवाद और छूआछूत को कम करने के लिए सिखों के गुरुओं ने संगत की शुरुआत की, लंगर की शुरुआत की। जहां सभी एक साथ जमीन पर बैठकर साथ आए। इसका सिर्फ एक ही उद्देश्य था कि सभी लोग... चाहे वो उंच जाति के हो या नीच जाति के। चाहे वो अमीर हो या गरीब। सभी को साथ में लाने का काम किया। इस पहल को एक नए सुधार आंदोलन के तौर पर भी देखा गया। सिखों की इस पहल ने कास्ट सिस्टम को कम करने और काफी हद तक खत्म करने का काम भी किया। सिखों के कारण ही कास्ट सिस्टम को कम करने का मौका मिला। उनके लंगर और संगत की पहल ने लोगों में एकता और बराबरी का संदेश दिया।

गुरुनानक ने मृत्यु से पहले अपने शिष्य भाई लहना को उत्तराधिकारी बनाया

अपनी पूरी जिंदगी मानव समाज के कल्याण में लगाने वाले गुरुनानक देव जी ने अपनी मृत्यु से पहले अपने परम शिष्य भाई लहना को अपना उत्तराधिकारी बनाया, जो बाद में गुरु अंगद देवजी नाम से जाने गए। गुरुनानक देव जी की मृत्यु 22 सितंबर 1539 ई. संवत् 1566 को करतारपुर में 70 वर्ष की आयु में आश्विन कृष्ण दशमी के दिन हुई थी। गुरुनानक देव जी ने ईश्वर को सर्वव्यापी मानने पर बल दिया।

रविवार को करें ये अचूक उपाय, धन की नहीं होगी कमी और मां लक्ष्मी की होगी विशेष कृपा

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

रविवार के उपाय करने से सुख-समृद्धि, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, सरकारी नौकरी प्राप्त होती है. जो लोग सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं उन्हें तो सूर्य देव के रविवार को उपाय जरूर करने चाहिए. अगर आपका भी बनता काम बिगड़ रहा है, तो अब परेशान होने की कोई बात नहीं है. धर्मशास्त्रों के जानकारों के मुताबिक ऐसा सूर्य के कमजोर होने से होता है. इसलिए, आपको अपने सूर्य को मजबूत करने की जरूरत होती है. तो, देख लें वो कौन-से उपाय है जो आपको आज के दिन करने चाहिए.

रविवार को करें ये उपाय

अपनी सामर्थ के अनुसार तांबे के बर्तन, लाल कपड़े, गेंहू, गुड़ और लाल चंदन का दान करें.

सूर्य देव को कभी भी बिना स्नान के जल अर्पित न करें.

सूर्य देव को जल अर्पित करने के लिए जल में रोली या लाल चंदन और लाल पुष्प डाल सकते हैं.

सूर्य देव को अर्घ्य देते समय स्टील, चांदी, शीशे और प्लास्टिक बर्तनों का प्रयोग न करें.

रविवार को करें ये टोटके

रविवार के दिन मछलियों को आटे की गोली बनाकर खिलाना शुभ होता है. कहते हैं कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है और घर में धन-धान्य की कमी नहीं रहती है.

माना जाता है कि रविवार के दिन शाम को गाय के घी से मेनगेट के दोनों तरफ दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और उनकी कृपा बरसाती हैं.

ऐसा कहा जाता है कि रविवार के दिन शाम को शिव मंदिर में गौरी शंकर रूद्राक्ष चढ़ाने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है.

रविवार के दिन घर के सभी सदस्यों को माथे पर चंदन लगाना चाहिए. ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है.

कहते हैं कि रविवार के दिन शाम को पीपल के पत्ते पर अपनी मन की मुराद लिखकर नदी के बहुत हुए जल में प्रवाहित करने से मनोकामना जल्द पूर्ण होती है.

एसुस ने भारत में दुनिया का पहला 17.3 इंच का फोल्डेबल लैपटॉप- ज़ेनबुक 17 फोल्ड ओएलईडी लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ताइवान की टेक्नोलॉजी जायंट, एसुस इंडिया ने भारत में दुनिया का पहला 17.3 इंच का फोल्डेबल ओएलईडी लैपटॉप लॉन्च करने की घोषणा की है। यह ज़ेनबुक 17 फोल्ड ओएलईडी लैपटॉप अभूतपूर्व नवाचार का बेमिसाल उदाहरण पेश करता है। अल्ट्रा-कॉम्पैक्ट और हल्का 12.5' फोल्डेबल ओएलईडी लैपटॉप 6 मोड्स के साथ एक बहुमुखी 17.3 इंच डिवाइस के रूप में इजात हुआ है, जबकि इसका वजन केवल 1.5 किलोग्राम (बिना कीबोर्ड के) ही है। ज़ेनबुक 17 फोल्ड ओएलईडी नवीनतम 12वीं जनरेशन के इंटेलरु कोर TM i7-1250U प्रोसेसर से लैस है, जिसे 10 कोर (दो परफॉर्मेंस कोर और आठ एफिशिएंसी कोर) के साथ डिज़ाइन किया गया है, जिसके लिए सभी कार्यों को आसानी से हैंडल करने की अधिकतम फ्रीक्वेंसी 4.7 है। इसके अलावा, लैपटॉप 16GB 5200MHz LPDDR5 रैम और 1TB PCIe 4.0 x4 6500 MB/s SSD के साथ आता है। ज़ेनबुक 17- फोल्ड विद ओएलईडी डिस्प्ले तमाम भारतीय यूज़र्स के लिए 329,990 रूपए में ऑनलाइन और ऑफलाइन टचपॉइंट्स पर उपलब्ध है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए अर्नोल्ड सु, बिजनेस हेड, कंज्यूमर और गेमिंग पीसी, सिस्टम बिजनेस ग्रुप, एसुस इंडिया ने कहा, 'भारतीय बाजार में हम अपने शानदार इनोवेशन ज़ेनबुक 17 फोल्ड ओएलईडी के लॉन्च की घोषणा करते हुए बेहद रोमांचित हैं। यह दुनिया का पहला 17.3 इंच का फोल्डेबल लैपटॉप है, जो प्रोप्राइटरी फोल्डेबल हिंज डिज़ाइन का उपयोग करता है। इंटेल और बीओई के साथ विकसित किया गया यह लैपटॉप एक बेशकीमती और क्रांतिकारी अनुभव प्रदान करता है, जो लैपटॉप की पोर्टेबिलिटी के साथ डेस्कटॉप की उत्पादकता को बखूबी मिश्रित करता है। यह लैपटॉप काम करने के अलग-अलग वातावरण में, यानि ऑफिस में, घर पर, यात्रा के दौरान या आराम करते समय हर तरह के ऑपरेशन्स परफॉर्म करने में कुशलता प्रदान करता है। और साथ ही यह स्टाइलिश रूप से एक अत्यधिक पोर्टेबल डिवाइस में दो स्क्रीन आकार और मल्टीपल यूसेज मोड्स शामिल करता है।'

संतूर ने ब्रांड रिलॉन्च की घोषणा की, साबुन को ज्यादा नमी, खुशबू, और नई पैकेजिंग के साथ

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

विप्रो कंज़्यूमर केयर एंड लाईटिंग के फ्लैगशिप ब्रांड, संतूर ने अपने क्लासिक हल्दी एवं चंदन सोप, संतूर ऑरेंज के रिलॉन्च की घोषणा की है। यह रिलॉन्च युवा उपभोक्ताओं से जुड़ने के लिए नए व ताजा रुख, ''थिंक यंग'' के साथ किया गया है। इस प्रोडक्ट अपग्रेड में नई पैकेजिंग, बेहतर खुशबू और ज्यादा नमी के गुणों को शामिल किया गया है।

चंदन और हल्दी के गुणों एवं खुशबू के साथ संतूर ज्यादा युवा स्किन का वादा करता है। प्राकृतिक नमी के गुणों के साथ यह उत्पाद नहाने का ऐश्वर्यपूर्ण अनुभव देते हुए ज्यादा निखरी व नम त्वचा प्रदान करता है। साहसिक परिवर्तन का संकेत देते हुए थिंक यंग अभियान महिला की पहचान के बारे में आम रूढ़ियों और लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को तोड़ता है। आज की संतूर महिला जीवन के प्रति युवा और नए रुख के साथ हर सीमा से परे है। यह महिलाओं को यह कहने के लिए प्रोत्साहित करता है - ''हाँ, क्यों नहीं?''। उसका बच्चा भी इस आकर्षक सफर का हिस्सा है, जो अपनी माँ का सहयोग करता है, और उसे उपलब्धियाँ हासिल करते हुए एवं उत्साह के साथ यह कहते हुए देखता है... ''क्यों नहीं?''।

रिलॉन्च के अवसर पर श्री नीरज खत्री, चीफ एग्ज़िक्यूटिव, कंज़्यूमर केयर, इंडिया एवं सार्क बिज़नेस, विप्रो कंज़्यूमर केयर एंड लाईटिंग ने कहा, ''संतूर विप्रो कंज़्यूमर केयर का फ्लैगशिप ब्रांड है। तीन दशकों से ज्यादा समय से लाखों भारतीय महिलाएं संतूर पर भरोसा करती आई हैं। आज संतूर चंदन और हल्दी सोप युवा दिखने वाली स्किन का प्रतिनिधित्व करता है। हमारी विकास योजना के तहत संतूर निरंतर इनोवेट करते हुए नए युग के उपभोक्ताओं की लगातार बदलती जरूरतों के साथ तालमेल बिठाता है। हमारे फ्लैगशिप और सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पाद का आगामी नया संस्करण हमारी इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमें विश्वास है कि इस परिवर्तन द्वारा हमारी वृद्धि को गति मिलेगी और बाजार में हमारी प्रीमियम पोज़िशनिंग और ज्यादा मजबूत होगी, साथ ही यह हमें उपभोक्ताओं के सबसे ज्यादा पसंदीदा ब्रांड्स में से एक बना देगी।'

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने 'एक्सिस निफ्टी एसडीएल सेप्टेंबर 2026 डेट इंडेक्स फंड' लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में सबसे तेजी से बढ़ते फंड हाउसों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने अपना नया फंड ऑफर - एक्सिस निफ्टी एसडीएल सेप्टेंबर 2026 डेट इंडेक्स फंड को लॉन्च किया। यह निफ्टी एसडीएल सेप्टेंबर 2026 इंडेक्स के घटकों में निवेश करने वाला ओपन-एंडेड टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड है; इसमें अपेक्षाकृत उच्च ब्याज दर जोखिम और अपेक्षाकृत कम क्रेडिट जोखिम है। नया फंड निफ्टी एसडीएल सेप्टेंबर 2026 इंडेक्स को ट्रैक करेगा। स्कीम का निवेश उद्देश्य प्रतिभूतियों के कुल रिटर्न के अनुरूप निवेश रिटर्न प्रदान करना है, जैसा कि निफ्टी एसडीएल सितंबर 2026 इंडेक्स द्वारा व्यय से पहले दर्शाया गया है, जो ट्रैकिंग त्रुटियों के अधीन है। हालांकि, इस बात का कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है कि योजना के निवेश उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा। आदित्य पगरिया इसके फंड प्रबंधक हैं। इसकी न्यूनतम निवेश राशि 5,000 रु. और उसके बाद 1/- रुपये के गुणकों में है।

टारगेट मैच्योरिटी फंड निवेशकों को विशिष्ट मैच्योरिटी बकेट तक पहुंचने की अनुमति देते हैं। इस तरह की रणनीति की पारदर्शी प्रकृति निवेशकों को पोर्टफोलियो और इंस्ट्रूमेंट मिक्स की स्पष्ट तस्वीर प्रदान करती है। एक निष्क्रिय फंड के रूप में, इस उत्पाद का उद्देश्य प्रतिष्ठित इंडेक्स प्रदाताओं द्वारा बनाए गए निर्दिष्ट इंडेक्स को दोहराना है। लक्ष्य परिपक्वता रणनीतियों की 'परिपक्वता तक धारित' प्रकृति का उद्देश्य उन निवेशकों के लिए अवधि जोखिम को कम करना है जो पूरी फंड अवधि के दौरान निवेश किए रखते हैं।

कैच के नए कैम्पेन, 'क्योंकि खाना सिर्फ खाना नहीं होता' में नजर आयेंगे अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

डीएस समूह के अंग, डीएस स्पाइसको द्वारा कैच सॉल्ट्स एंड स्पाइसेस के लिये लॉन्च किए गए एक नए कैम्पेन में बॉलीवुड के कलाकार अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर नजर आयेंगे। इस नए कैम्पेन में कैच की नई पोजीशनिंग 'क्योंकि खाना सिर्फ खाना नहीं होता' पर जोर दिया गया है। इस कैम्पेन की परिकल्पना डेंट्सू क्रिएटिव ने की है और इसमें दिखाया गया है कि खाना कई सारी चीजों से मिलकर बनता है- उनमें यादें होती हैं, रिश्ते होते हैं, परंपराएं और मूल्य होते हैं। इस तरह यह कैम्पेन ब्रांड को उपभोक्ता की रोज की जिंदगी के और भी करीब लाने की कोशिश कर रहा है। इस नए कैम्पेन में अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर इसी अवधारणा को खूबसूरती से पेश करते हुए नजर आयेंगे। यह कैम्पेन आगे इस बात पर भी जोर देता है कि खाना यानी भोजन एक भाषा है, जिसका इस्तेमाल अलग-अलग भावनाओं का इजहार करने के लिये किया जाता है।

अक्षय कुमार कहते हैं, 'हम भारतीय सिर्फ खाने का मजा नहीं लेते, बल्कि उसे जीते हैं। मैं कैच सॉल्ट्स एंड स्पाइसेस और इसके नए कैम्पेन का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मेरे लिए खाने की भूमिका मेरे जीवन में प्रधान रही है। इस भावना को परदे पर निभाना मेरे लिए खुशी की बात है।' इस मौके पर भूमि पेडनेकर ने कहा, 'कैच सॉल्ट्स एंड स्पाइसेस अपने उत्पादों की बड़ी श्रृंखला के साथ एक घरेलू नाम बन चुका है। मेरा मानना है कि किसी के दिल तक पहुंचने का रास्ता, खाने से होकर जाता है। और इसलिए यह बात 'क्योंकि खाना सिर्फ खाना नहीं होता' की सोच को और भी मजबूत करती है।' इस कैम्पेन के बारे में श्री संदीप घोष, बिजनेस हेड, डीएस स्पाइसको प्राइवेट लिमिटेड का कहना है, 'मसाले भारतीय भोजन की जान हैं। एक ब्रांड के तौर पर हम मसालों की अपनी रेंज के साथ ग्राहकों के किचन पर राज करना चाहते हैं। यह नया कैम्पेन खाने के साथ होने वाली ग्राहकों की बातचीत की अलग-अलग बारीकियों को सामने लेकर आएगा। इस कैम्पेन के पीछे की सोच के बारे में, अजय गहलोत, ग्रुप चीफ क्रिएटिव ऑफिसर, डेंट्सू क्रिएटिव ने कहा, 'हमारे लिये खाना शरीर को ताकत देने से कहीं बढ़कर होता है, खाने की मदद से हमें खुद को अभिव्यक्त करने और यह दिखाने में मदद मिलती है कि हम एक-दूसरे की कितनी परवाह करते हैं।

पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला बास्केटबॉल स्पर्धा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वाधान में वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला बास्केटबॉल स्पर्धा का आयोजन बॉस्केटबॉल काम्प्लेक्स में दिनांक 8 से 11 नवंबर तक किया जा रहा। इस स्पर्धा में 4 राज्यों के 54 विश्वविद्यालयों के 768 खिलाड़ी तथा 120 प्रशिक्षक एवं प्रबंधक भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता नॉकआउट कम लीग के आधार पर खेली जा रही है। इस स्पर्धा के आधार पर प्रथम चार टीमें पानीपत में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करेंगी। 10 नवम्बर को खेले गए क्वालीफाइंग राउंड के मुकाबलों में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने मुंबई विश्वविद्यालय को कड़े मुकाबलों में 56-48 स्वर्णिम गुजरात ने गत वर्ष की विजेता राजस्थान विश्वविद्यालय को 67-53, आईटीएम ग्वालियर ने सावित्रीबाई फुले पुणे को 75-53, से तथा एलएमएनआईपी ग्वालियर ने आरटीएमएनयू नागपुर को 57-40 अंकों से पराजित कर अंतिम चार में अपना स्थान बनाया। आयोजन अध्यक्ष सुप्रज्ञ ठाकुर ओर मनीष जायसवाल ने बताया कि समापन समारोह में एमपी क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय जगदाले मुख्य अतिथी होगें।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्विट्ज़रलैंड के 'मित्रता राजदूत' बने

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

स्विटज़रलैंड टूरिज़्म ने भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता, नीरज चोपड़ा को 'मित्रता राजदूत' नियुक्त किया है। अपनी नई भूमिका में, भारत के खेलों के प्रतिभाशाली सुपरस्टार भारतीय यात्रियों के लिए स्विटज़रलैंड के रोमांचक, शानदार और आश्चर्यजनक स्थानों का प्रदर्शन और प्रचार करेंगे। नीरज चोपड़ा ने अक्सर टूर्नामेंट्स खेलने और प्रशिक्षण लेने के लिए स्विटज़रलैंड की यात्रा की है, लेकिन इस बार, उनके सीज़न के समाप्त होने के बाद, भारत के खेलों की नवीनतम हस्ती ने देश में आराम करते हुए और वह काम करते हुए अपने दिन बिताए, जो उन्हें सबसे अधिक अच्छा लगता है — जमकर अभ्यास करना! नीरज चोपड़ा ने जिन प्रमुख स्थलों का दौरा किया उनमें इंटरलेकन, ज़र्मेट और जिनेवा शामिल थे।

इस वर्ष सितंबर में ज्यूरिख में डायमंड लीग चैंपियनशिप जीतने के बाद, नीरज और उनके करीबी दोस्त, जो स्विटज़रलैंड में उनसे मिले थे, छुट्टी मनाने के लिए गए, जो उनकी रोमांचक प्रवृति के लिए ख़ास तौर पर तैयार किया गया था। उनके कार्यक्रम में सब कुछ शामिल था - इंटरलेकन में कैन्यन जंपिंग, स्काई डाइविंग, जेटबोट के साथ-साथ जंगफ्राजोक पर स्नो स्कूटर और स्लेज से लेकर ज़र्मेट में मॉन्स्टर बाइकिंग, हाइकिंग, पैराग्लाइडिंग और हेलीकॉप्टर की यात्रा। लेकिन रोमांच उनके छुट्टियों की मस्तियों का एक अंश था, वे जिनेवा शहर भी गए, जिसे उन्होंने दौड़ते हुए और एक ई-टुकटुक की सवारी के ज़रिए देखा जो उन्हें संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ गाँधी प्रतिमा तक राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए लेकर गया। लेकिन नीरज चोपड़ा होने के नाते, उन्हें जिनेवा के प्रसिद्ध लैंडमार्क - जेट डी'ओ को देखने के लिए जानी-मानी झील जिनेवा तक रिवर राफ्टिंग करके अपनी यात्रा को पूरा किए बगैर न रह सके। स्विटजरलैंड टूरिज़्म के 'मित्रता राजदूत' के रूप में, नीरज चोपड़ा इस देश के अपने अनुभवों के बारे में बतायेंगे ताकि उसे घूमने-फिरने के लिए एक आदर्श ठिकाने और हाइकिंग, बाइकिंग, हल्के-फुल्के और ज़बरदस्त रोमांच और निश्चित रूप से स्नो स्पोर्ट्स के लिए, नए या अनुभवी पेशेवरों सभी के लिए सबसे अच्छे स्थान के रूप में प्रदर्शित किया जा सके।

सयाजी इंदौर ने केक मिक्सिंग समारोह 2022 जश्न का माहौल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी होटल इंदौर ने हाल ही में त्योहारी सीजन की शुरुआत करते हुए महत्वपूर्ण एवं अनूठे केक मिक्सिंग समारोह का आयोजन किया। मस्ती भरे इस उत्सव में शहर के संभ्रांत अतिथि, ब्लॉगर और इन्फ्लुएंसर्स शामिल हुए, जिनके साथ होटल के कर्मचारी भी मौजूद रहे और सभी ने मिलकर समारोह को हर्ष एवं खुशियों से भर दिया। कार्यक्रम में बादाम, पिस्ता, काजू सहित सूखे मेवे और ताज़े पिसे हुए सुगंधित मसालों की विभिन्न प्रकार की ड्रिंक्स के साथ मिक्सिंग की गई थी। इस भीगे हुए मिश्रण को, स्वादिष्ट केक बनाने के उद्देश्य से, कुछ सप्ताह के लिए अलग रख दिया जाता है। हाई-टी की मेजबानी का आनंद लेते हुए, मेहमानों ने शानदार माहौल में अपनी शाम बिताई और सयाजी टीम के साथ शुभकामनाएं साझा की और साथ मिलकर शहर में उत्सव का स्वागत किया।

इस अवसर पर श्री रक्षित शर्मा, जीपीएम – वाइस प्रेसिडेंट – ऑपरेशंस, पीपुल्, सेल्स एवं रेवेन्यू - सयाजी होटल लिमिटेड ने बताया कि 'केक मिक्सिंग दुनिया भर में क्रिसमस और न्यू ईयर के जश्न का मूड बना रही है जो बहुत पुरानी परंपरा है। शहर में पांच सितारा होटल संचालन में अग्रणी होने के कारण, हम शहर में उत्सवों की शुरुआत करने की अपनी नैतिक जिम्मेदारी पूरी कर रहे हैं। हम उन सभी मेहमानों के शुक्रगुजार हैं जो केक मिक्सिंग में हमारे साथ शामिल हुए और हम अपने होटल में ऐसे कई अन्य समारोहों का आयोजन करके शहर की उत्सवधर्मिता में अपना योगदान देते रहने के लिए तैयार हैं।'

फोनपे ने लॉन्च के 3 महीने में ही लगाए 10 लाख से ज्यादा स्मार्टस्पीकर

स्मार्टस्पीकर के ज़रिए 100 करोड़ से ज्यादा का लेन-देन भारत में मर्चेंट पेमेंट की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फोनपे भारत का अग्रणी फिनटेक फ़ाइनेंशियल टेक्नोलॉजी प्लैटफ़ॉर्म है। कंपनी ने हाल ही में स्मार्टस्पीकर लॉन्च किए हैं। भारत में 10 लाख कारोबार मालिक मर्चेंट पार्टनर्स अब इन स्मार्टस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे हैं. साथ ही, कंपनी ने लॉन्च के सिर्फ़ 3 महीने में 1 करोड़ 1 बिलियन ट्रांजैक्शन इस डिवाइस के ज़रिए किए हैं। इससे कंपनी को देश भर में अपने ऑफ़लाइन मर्चेंट पेमेंट सुविधा को बेहतर बनाने में मदद मिली है। इस साल अगस्त में मर्चेंट लोकेशन पर सुरक्षित और सुविधाजनक पेमेंट ट्रैकिंग के लिए इसकी शुरुआत की गई थी। इस डिवाइस के लिए हमें कारोबार मालिकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं. यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में हमारे कारोबार मालिकों के बीच स्मार्टस्पीकर की मांग लगातार बढ़ रही है।

फोनपे ने हमेशा अपने कारोबार मालिकों के लिए पेमेंट सुविधा को आसान बनाने की कोशिश की है। हम अपने सहयोगियों को कारोबार चलाने और उसे बढ़ाने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। सबसे पहले कंपनी ने इंटरऑपरेबल™ कोड की शुरुआत की थी। इससे कारोबार मालिकों के लिए किसी भी यूपीआई ळइ्ध ऐप्लिकेशन से डिजिटल पेमेंट पाना बहुत आसान हो गया था। इसके बाद, हमने फ़ोटो™ कोड लॉन्च किया था- पेमेंट में धोखाधड़ी और किसी दूसरे तरह के नुकसान से कारोबार मालिकों को बचाने और सुरक्षित पेमेंट के लिए यह बड़ा कदम था। कारोबार मालिकों की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, फोनपे ने इस साल अगस्त में रिटेल आउटलेट्स खुदरा दुकानों पर सुरक्षित पेमेंट ट्रैकिंग के लिए स्मार्टस्पीकर की शुरुआत की है।

पिछले कुछ वक्त में डिजिटल पेमेंट को बड़े पैमाने पर अपनाया गया है. कोविड-19 महामारी से अब तक कारोबार के लिए डिजिटल पेमेंट में 175इ की दर से बढ़ोतरी हुई है. यही वजह है कि सुरक्षित पेमेंट और पैसों के लेन-देन पर नज़र रखने की मांग भी पहले से कहीं ज़्यादा हो रही है. खास तौर पर कारोबार के सबसे व्यस्त घंटों में अलग-अलग™ कोड पर पेमेंट ट्रैक करना कारोबार मालिकों के लिए बहुत मुश्किल होता है. फोनपे के स्मार्टस्पीकर उनकी सारी ज़रूरतों को पूरा करते हैं. स्मार्टस्पीकर सभी पेमेंट ट्रैक करते हैं, जिससे समय की भी बचत होती है. स्मार्टस्पीकर में कई बेहतरीन सुविधाएं हैं, जैसे कि पेमेंट अलर्ट इसके साथ ही यह सुरक्षित और विश्वसनीय है. इसकी मदद से कारोबार मालिकों को अब उनकी ग़ैर-मौजूदगी में गलत ट्रांजैक्शन की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है. पेमेंट आने की सूचना अंग्रेज़ी के अलावा 10 भारतीय भाषाओं में भी मिलती है. अच्छी साउंड क्वालिटी की वजह से भीड़-भाड़ और शोर के बीच भी पेमेंट की सूचना कारोबार मालिकों को आसानी से मिलती है. इन सारी खूबियों की वजह से यह बहुत तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है.

फोनपे के ऑफ़लाइन बिज़नेस हेड विवेक लोहचेब ने इसे बड़ी उपलब्धि बताई है. उन्होंने कहा, 'डिजिटल पेमेंट भारत में अब लोकप्रिय विकल्प बन चुका है और लोग इसका खूब इस्तेमाल कर रहे हैं. डिजिटल पेमेंट सुविधा ने नकद लेन-देन की मुश्किलों को काफ़ी हद तक कम किया है. फोनपे का स्मार्टस्पीकर हमारे मर्चेंट पार्टनर्स के लिए बहुत काम की चीज़ है. खास तौर पर विस्तृत बाज़ार में यह आधुनिक पेमेंट सुविधाएं देने की की दिशा में एक अहम कदम है. साथ ही, इसने बड़ी संख्या में कारोबार मालिकों से जुड़ने के लिए एक और बड़ा मंच भी तैयार किया है. 3 महीने से भी कम समय में 10 लाख से अधिक डिवाइस का इस्तेमाल बताता है कि यह वाकई में कितनी बड़ी उपलब्धि है. रिटेल कारोबार मालिकों के बीच फोनपे की यह उपयोगी सुविधा बहुत तेज़ी से लोकप्रिय हो रही है और लोग बड़े पैमाने पर इसे अपना भी रहे हैं।''

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।